सोलापुर विश्वविद्यालय, सोलापुर

द्वितीय वर्ष कला (हिंदी)

हिंदी ऐच्छिक (Optional) प्रश्नपत्र क्र.2

आधुनिक गद्य, व्याकरण तथा व्यावहारिक हिंदी

तृतीय सत्र (III -Semester)

1- **कबिरा खड़ा बज़ार में** - भीष्म साहनी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

2- **व्यावहारिक हिंदी**

(अ) विज्ञापन - अर्थ, परिभाषा और विज्ञापन लेखन

(आ) संवाद कौशल

(इ) अनुवाद : अर्थ, परिभाषा और अनुवाद लेखन

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

प्रश्न 1- बहुविकल्पी दस प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रम पर) 10

प्रश्न 2- लघुत्तरी प्रश्न (6 में से 5)(व्यावहारिक हिंदी पर) 10

प्रश्न 3- टिप्पणियाँ (3 में से 2) (नाटक और व्यावहारिक हिंदी पर) 10

प्रश्न 4- दीर्घोत्तरी प्रश्न (कबिरा खड़ा बज़ार में नाटक पर)(2 में से 1) 10

प्रश्न 5- दीर्घोत्तरी प्रश्न (कबिरा खड़ा बज़ार में नटक पर) 10

चतुर्थ सत्र (IV -Semester)

पाठ्यपुस्तक :

1- **नागर कथाएँ** - संपादक : डॉ.बालेन्दु शेखर तिवारी

अमन प्रकाशन,104 A/118 ,रामबाग, कानपुर- 208012

(निर्धारित कहानियों में से भोलाराम का जीव, चीफ की दावत और वापसी आदि कहानियाँ अध्ययन के लिए नहीं है।)

2- **शब्द संपदा** -

(अ) समानार्थक शब्द
(ब) विपरितार्थक/ विलोम शब्द
(इ) अनेकार्थक शब्द
(ई) वाक्यांश के लिए एक शब्द
(उ) कहावतें और मुहावरे (परिशिष्ट पर आधारिक प्रश्न)

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

प्रश्न. 1	बहुविकल्पी दस प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रम पर)	10
प्रश्न. 2	लघुत्तरी प्रश्न (शब्द संपदा पर) (6 में से 5)	10
प्रश्न. 3	टिप्पणियाँ (नागर कथाएँ किताब पर) (3 में से 2)	10
प्रश्न. 4	दीर्घोत्तरी प्रश्न (नागर कथाएँ किताब पर) (2 में से 1)	10
प्रश्न. 5	दीर्घोत्तरी प्रश्न (नागर कथाएँ किताब पर)	10

संदर्भ ग्रंथ सूची :

1) हिंदी व्याकरण - कामताप्रसाद गुरू, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी
2) व्यावहारिक हिंदी व्याकरण तथा रचना - डॉ. हरदेव बाहरी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
3) हिंदी व्याकरण स्वरूप एवं रचना - वासुदेव नंदन प्रसाद
4) आधुनिक हिंदी व्याकरण स्वरूप एवं प्रयोग -डॉ. भारती खुबालकर, साहनी पल्बिकेशन, नई दिल्ली
5) मानक हिंदी का शुद्धिपरक व्याकरण - डॉ. रमेशचंद्र मेहरोत्रा, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
6) हिंदी व्याकरण विमर्श - डॉ. ब्रजकिशोर प्रसाद सिंह, साहित्य रत्नालय, कानपुर-२०८००१
7) उपयोगी हिंदी व्याकरण - डॉ. ज्ञानराज गायकवाड, अमन प्रकाशन, कानपुर
8) शैक्षिक व्याकरण और व्यावहारिक हिंदी - डॉ.कृष्णकुमार गोस्वामी, आलेख प्रकाशन, दिल्ली
9) नाटककार भीष्म साहनी - डा. सुरैय्या शेख, अमन प्रकाशन, कानपुर
10) हिंदी नाटक विमर्श - डा. देविदास इंगळे, अमन प्रकाशन, कानपुर

सोलापुर विश्वविद्यालय, सोलापुर
द्वितीय वर्ष कला (बी. ए. भाग - 2)
हिंदी (ऐच्छिक)
प्रश्नपत्र क्रमांक - 2

चतुर्थ सत्र (Semester- 4)
परिशिष्ट - 1

समानार्थक / पर्यायवाची शब्द

1) असुर - दनुज, दैत्य, दानव, निशाचार, निशिचर, राक्षस, रजनीचर, यातुधान।
2) आँख - अक्षि, लोचन, नेत्र, नयन, चक्षु, दृग।
3) आनन्द - आमोद, प्रमोद, हर्ष, प्रसन्नता, सुख, आल्हाद, उल्लास ।
4) अनुपम - अनोखा, अपूर्व, अनूठा, अतुल, अद्वितीय, अद्‌भूत ।
5) अश्व - घोडा, हय, सैन्धव, घोटक, वाजि, तुरंग।
6) अहंकार - मान, अभिमान, दम्भ, दर्प, गर्व, घमण्ड।
7) अध्यापक - शिक्षक, आचार्य, गुरू, व्याख्याता, प्रवक्ता ।
8) आकाश - आसमान, व्योम, नभ, गगन, अम्बर, अनंत, शून्य ।
9) इच्छा - चाह, कामना, मनोरथ, अभिलाषा, आकांक्षा, ईप्सा, वांछा।
10) ओस - तुषार, हिमकण, हिमसीकर, हिमबिन्दु, तुहिनकन।
11) कमल - जलज, पंकज, सरोज, अम्बुज, सरसिज, राजीव, शतदल, अरविन्द, नीरज, कुशेशय, इन्दीवर।
12) कामदेव - मदन, रतिपति, मार, स्मर, कन्दर्प, अनंग, पंचशर, मनसिज।
13) किनारा - तीर, तट, कगार, कूल।
14) गंगा - देवनदी, सुरसरिता, भागीरथी, जान्हवी, मन्दाकिनी ।
15) गणेश - गणपति, गजानन, गजवंदन, मूषकवाहन, लम्बोदर, एकदन्त, विनायक, भवानीनन्दन।
16) गृह - घर, निकेतन, भवन, सदन, धाम, गेह, सद्‌म, मन्दिर ।
17) चंदन - मलय, दिव्यगंध, हरिगंध, दारुसार, मलयज।

18) चन्द्रमा - शशि, इन्दु , सुधाकर, निशाकर, रजनीपति, सुधांशु, चाँद, हिमांशु, राकेश, मृगांक, कलानिधि ।

19) जल - पानी, नीर, सलिल, पय, वारि, अम्बु, उदक, तोय।

20) जंगल - वन, कानन, अटवी, विजन, अरण्य, विपिन।

21) ज्योति - प्रकाश, लौ, प्रभा, अग्निशिखा।

22) तोता - शुक, सुआ, कीर, सुग्गा, सुअटा।

23) तलवार - असि, खड़ग, खंग, करवाल, चन्द्रहास।

24) दास - नौकर, सेवक, किंकर, भृत्य, परिचारक।

25) दुख - कष्ट, व्यथा, पीडा, क्लेश, वेदना, खेद, संताप।

26) द्रव्य - धन, अर्थ, वित्त, सम्पदा, सम्पत्ति, दौलत।

27) दया - करूणा, कृपा, प्रसाद, अनुकंपा, अनुग्रह ।

28) धरती - धरा, वसुधा, पृथ्वी, मेदिनी, वसुंधरा, धरणी, धरित्री, मही, अचला, अवनि, भू।

29) नारी - महिला, स्त्री, अबला, ललना, औरत, वामा।

30) नाग - सर्प, साँप, अहि, व्याल, भुजंग, विषधर, उरग।

31) निर्मल - अमल, पावन, पवित्र, विमल, स्वच्छ, निष्कलुष।

32) पति - स्वामी, नाथ, कंत, भर्तार, बल्लभ, बालम, मालिक।

33) पुत्री - बेटी, सुता, तनया, दुहिता, आत्मजा।

34) पत्नी - भर्या, कलत्र, वधू, बहू, गृहिणी, दारा, अर्धांगिनी

35) पुत्र - सुत, बेटा, तनय, आत्मज, पूत, लड़का।

36) बिजली - विद्युत, दामिनी, सौदामिनी, चपला, तड़ित, क्षणप्रभा, बीजुरी।

37) बादल - घन, जलद, मेघ, पयोद, वारिद, नीरद, पयोधर।

38) भौंरा - भ्रमर, भृंग, भँवरा, अलि, मधुप, मधुकर।

39) मित्र - सखा, साथी, सहचर, सुहृद, दोस्त, मीत

40) मदिरा - सुरा, वारूणी, मद, शराब, हाला, दारू।

41) मुनि - तापस, यति, संत, साधु, सन्यासी, वैरागी।

42) रात - निशा, रात्रि, यामिनी, रजनी, शर्वरी।

43) संसार - लोक, जग, जगत, भुवन, दुनिया, विश्व ।

44) सिंह - केहरी, मृगेन्द्र, शेर, केशरी, शार्दूल, वनराज।

45) सागर - समुद्र, सिंधु, पारावार, जलधि, नदीश, नीरनिधि, पयोधि, पयोनिधि, वारीश, रत्नाकर।

46) सोना - स्वर्ण, सुवर्ण, कंचन, हेम, कनक, हाटक।

47) सेवक - दास, भृत्य, अनुचर, चाकर, किंकर, परिचारक ।

48) हवा - समीर, अनिल, पवन, वायु, बयार, वात ।

49) हिमालय - हिमाद्रि, पर्वतराज, हिमगिरि, हिमाचल, नगपति, गिरिश।

50) हाथी - गज, दन्ती, कुंजर, वारण, हिरद, मतंग, वितुण्ड, द्विप, नाग, कटी, कुम्भी।

परिशिष्ट - 2

विलोम शब्द / विपरितार्थक शब्द

1)	अनिवार्य	-	ऐच्छिक	26)	भूषण	-	दूषण
2)	आलोक	-	अंधकार	27)	मृदु	-	कठोर
3)	आरोह	-	अवरोह	28)	निरपेक्ष	-	सापेक्ष
4)	इहलोक	-	परलोक	29)	पण्डित	-	मूर्ख
5)	उत्थान	-	पतन	30)	प्रसाद	-	विषाद
6)	उत्तीर्ण	-	अनुत्तीर्ण	31)	बाढ	-	सूखा
7)	ऐतिहासिक	-	अनैतिहासिक	32)	भोगी	-	योगी
8)	क्रय	-	विक्रय	33)	महात्मा	-	दुरात्मा
9)	खण्डन	-	मण्डन	34)	राजा	-	रंक . प्रजा
10)	क्षर	-	अक्षर	35)	विधि	-	निषेध
11)	गाढा	-	पतला	36)	विक्रय	-	क्रय
12)	गोचर	-	अगोचर	37)	व्यर्थ	-	सार्थक
13)	घटना	-	बढना	38)	श्रव्य	-	दृश्य
14)	चेतना	-	मूर्च्छा	39)	श्वेत	-	श्याम
15)	जटिल	-	सरल	40)	सजल	-	निर्जल
16)	ज्वार	-	भाटा	41)	संयोग	-	वियोग
17)	दास	-	स्वामी	42)	संदिग्ध	-	असंदिग्ध
18)	दुराचारी	-	सदाचारी	43)	विष	-	अमृत
19)	निर्दोष	-	सदोष	44)	विशेष	-	सामान्य

20)	नैसर्गिक	-	कृत्रिम	45)	विस्मरण	-	स्मरण
21)	चिरंतन	-	नश्वर	46)	शुष्क	-	आर्द्र
22)	तटस्थ	-	पक्षपाती	47)	श्वास	-	उच्छवास
23)	दृश्य	-	अदृश्य	48)	स्वीकृति	-	अस्वीकृति
24)	निर्गुण	-	सगुण	49)	सुलभ	-	दुर्लभ
25)	पतिव्रता	-	कुलटा	50)	सूक्ष्म	-	स्थूल

परिशिष्ट - 3

अनेकार्थक शब्द

1)	अँचल	-	1. प्रदेश या प्रांत का एक भाग, क्षेत्र 2. नदी का किनारा 3. पल्लू
2)	अंजाम	-	1. फल 2. नतीजा 3. समाप्ति 4. पूर्ति
3)	अंत	-	1. समाप्ति 2. नाश 3. मृत्यु 4. परिणाम 5. सीमा
4)	अंध	-	1. अंधा 2. विचारहीन 3. अचेत 4. अज्ञान 5. नेत्रहीन व्यक्ति
5)	अंबर	-	1. आकाश 2. वस्त्र 3. परिधि 4. एक सुगंधी खनिज
6)	अंभोज	-	1. कमल 2. कपूर 3. चंद्रमा 4. शंख
7)	अगाध	-	1. अथाह 2. अपार 3. अज्ञेय 4. गहरा छेद
8)	अच्छा	-	1. भला 2. उचित 3. सुन्दर 4. सकुशल 5. सम्पन्न 6. कामजचाऊ
9)	अधिकार	-	1. प्रभुत्त्व 2. हक 3. स्थान 4. कब्जा 5. हुकूमत 6. विषय
10)	अपकार	-	1. उपकार का उल्टा 2. बुराई 3. अहित 4. अपमान 5. अत्याचार
11)	अपवाद	-	1. बदनामी 2. लांछन 3. खण्डन 4. सामान्य नियम से भिन्न बात
12)	अभिरूचि	-	1. शौक 2. झुकाव 3. विशेष 4. अभिलाषा
13)	अलोक	-	1. अदृश्य 2. निर्जन 3. पुण्यहीन 4. पातालादि लोक
14)	अवनति	-	1. झुकाव 2. गिरावट 3. उतार 4. कमी 5. दंडवत 6. विनम्रता
15)	उदात्त	-	1. ऊँचा 2. महान 3. उदार 4. श्रेष्ठ 5. स्पष्ट
16)	उपराग	-	1. रंग 2. लालरंग 3. लाली 4. दुर्व्यवहार 5. निंदा
17)	उपल	-	1. ओला 2. पत्थर 3. बादल 4. रत्न
18)	कन	-	1. कण 2. प्रसाद 3. भीख 4. कान
19)	कनक	-	1. सोना 2. धतूरा 3. गेहूँ

20) कादंबरी - 1. शराब 2. कोकिला 3. मैना 4. बाणभट्ट की आत्मकथा

21) काम - 1. कार्य 2. मतलब 3. संबंध 4. स्वार्थ 5. नौकरी

22) कार्य - 1. काम 2. धंधा 3. धार्मिक कृत्य 4. कर्तव्य 5. परिणाम 6. प्रयोजन

23) कुल - 1. परिवार 2. वंश 3. समूह 4. घर 5. जाति

24) क्षम - 1. सहनशील 2. चुप रहनेवाला 3. समर्थ 4. क्षमा करनेवाला

25) क्षेत्र - 1. खेत 2. स्थान 3. उत्पत्ति स्थल 4. भूमि 5. जमीन 6. मैदान 7. सीमा-बध्द जगह

26) खराब - 1. बुरा, हीन 2. नष्ट, बरबाद 3. दुश्चरित्र 4. बिगडा हुआ

27) खल - 1. दुष्ट, दुर्जन 2. अधम, नीच 3.निर्लज्ज 4. धोखेबाज 5. चुगलखोर

28) गजब - 1. अँधेरा 2. क्रोध, कोप 3. विपत्ति, संकट

29) गण - 1. समूह 2. गिरोह 3. वर्ण 4. संघ 5. अनुचर वर्ग 6. दूत 7. सेवक

30) गरिमा - 1. महिमा, महत्त्व 2. अहंकार, घमंड 3. गुरुत्त्व 4. आत्मश्लाघा

31) गुण - 1. निजी विशेषता 2. निपुणता 3. हुनर 4. प्राकृतिक वृत्तियाँ 5. लक्षण

32) गुरू - 1. पूज्य 2. वजनदार, भारी 3. बडा 4. कठिन 5. दीर्घ मात्रा

33) गो - 1. गाय 2. इंद्रिय 3. वाणी 4. जिह्वा 5. दृष्टि 6. दिशा 7. माता

34) गौरव - 1. बड़प्पन, महत्त्व 2. गुरुता 3. आदर, सम्मान 4. मर्यादा, प्रतिष्ठा

35) घन - 1. मेघ, बादल 2. कपूर 3.बहूत बड़ा हथौडा 4. किसी अंक को किसी अंक से गुणा करने पर प्राप्त होनेवाला गुणनफल

36) चक्कर - 1. पहिया 2. चक्र 3. घेरा, मंडल 4. मोडोंवाला मार्ग 5. फेरा 6. हैरानी, उलझन 7. धोखा

37) चरण - 1. पाँव 2. सामीप्य 3. श्लोक का चतुर्थांश 4. काल, मान आदि का चौथाई भाग

38) चरित्र - 1. आचरण, चाल-चलन 2. कार्यकलाप 3. स्वभाव, गुणधर्म 4. जीवन-चरित्र, जीवनी

39) चोट - 1. घाव 2. आघात, प्रहार 3. क्लेश, दु:ख 4. संताप 5. व्यंग्य, कटाक्ष 6. छल-कपट

40) जाति - 1. वंश, कुल 2. जन्म, उत्पत्ति 3. वर्ण 4. वर्ग 5. जात

41) जिगर - 1. कलेजा 2. साहस, हिम्मत 3. चित्त, मन

42) ज्ञान - 1. बोध, जानना, जानकारी 2. विद्या 3. पदार्थ को ग्रहण करने वाली मन की वृत्ति 4. आत्म साक्षात्कार

43) टीप - 1. जन्मपत्री 2. हुंडी 3. दस्तावेज 4. टिप्पणी

44) डंड - 1. डंडा, सोंटा 2. बाहु-दंड, भुजा 3. सजा, दंड 4. घाटा

45) डोरा - 1. मोटा तागा 2. धारी, रेखा 3. आँख की पतली लाल नसें 4. सुराग, सूत्र 5. प्रेम का बंधन

46) ढाबा - 1. रोटी आदि की दुकान 2.ओलती 3. जाल 4 परछत्ती 5. टोकरा, खाँचा

47) तकाजा - 1. तगादा, माँगना 2. अच्छा 3. आवश्यकता 4. आदेश 5. अनुरोध

48) तत्त्व - 1. वास्तविकता 2. सार 3. जगत का मूल कारण, ईश्वर 4. घटक

49) तनु - 1. दुबला-पतला, कृश 2. अल्प, थोडा 3. तुच्छ 4. छिछला 5. कोमल 6. अच्छा, बढिया 7. विरल

50) तम - 1. अंधकार 2. कालिख, कालिमा 3. अज्ञान, अविद्या 4. मोह, माया 5. क्रोध, गुस्सा

परिशिष्ट - 4

वाक्यांश के लिए एक शब्द

1) जिसके आने की तिथि ज्ञात न हो - अतिथि

2) जिसका कोई नाथ न हो - अनाथ

3) जिसका निवारण न किया जा सके - अनिवार्य

4) आदि से अन्त तक - आद्योपान्त

5) जिसके समान कोई दूसरा न हो - अद्वितीय

6) जिसे इन्द्रियों के द्वारा समझा न जा सके - अगोचर

7) जिसकी गणना न की जा सके - अगणित

8) जिस पर किसी ने अधिकार प्राप्त कर लिया हो - अधिकृत

9) जिसने नीचे हस्ताक्षर किए हों - अधोहस्ताक्षरी

10) किसी देश के प्राचीन मूल निवासी - आदिवासी

11) जो अपनी इच्छा के अधीन हो या अपनी इच्छा पर निर्भर हो - ऐच्छिक

12) जो काम से जी चुराता हो - कामचोर

13) जो किये गये उपकार को न माने - कृतघ्न

14) जो किये गये उपकार को मानता हो - कृतज्ञ

15) जो कार्य करने योग्य हो - करणीय

16) जो कला की रचना करता है - कलाकार

17) अपने मन के भावों को गुप्त रखने वाला - घुन्ना

18) जो जानने की इच्छा रखता हो - जिज्ञासु

19) जो किसी गुट का सदस्य न हो - तटस्थ

20) जो तत्त्व को जानता हो - तत्त्वज्ञानी

21) जिसका दमन करना कठिन हो - दुर्दम

22) बहुत दूर (आगे - भविष्य) तक देखने वाला - दूरदर्शी

23) जिसके कोई संतान न हो - निस्संतान

24) अक्षर पढ़ने -लिखने के ज्ञान से रहित - निरक्षर

25) किसी काम के बदले किसी शुल्क का न लेना - नि:शुल्क

26) जो रात को घूमता हो - निशाचर

27) जो देश - विदेश का भ्रमण करता हो - पर्यटक

28) जिसे पति ने छोड दिया हो - परित्यक्ता

29) जिसने सुन- सुन कर ज्ञान प्राप्त किया हो - बहुश्रुत

30) जो पहले था - भूतपूर्व

31) जो भाषा विज्ञान का ज्ञाता होता - भाषविद्

32) कम बोलने वाला - मितभाषी

33) जमीन का हिसाब - किताब रखने वाला - लेखपाल

34) व्याकरण जानने - रचने वाला - वैयाकरण

35) जो किसी विषय का जानकार हो - विशेषज्ञ

36) जिसकी आवृत्ति वर्ष में एक बार हो - वार्षिक

37) जो अधिक बोलता हो - वाचाल

38) जो सुनने योग्य हो - श्रव्य

39) शत्रुओं को मारने वाला - शत्रुघ्न

40) एक ही माता से जम्न लेने वाला (भाई) - सहोदर

41) जिसने पुण्य कार्य हेतु प्राण दिए हो - हुतात्मा

42) जो बीत चुका हो - अतीत

43) जो पुस्तक आदि की आलोचना करता हो - आलोचक

44) बिना सोचे - समझे विश्वास करने वाला - अंधविश्वासी

45) ऐसी भूमि जिसमें खूब पैदावार हो - उर्वरा

46) जिसका मन किसी से उचट गया हो - उदासीन

47) बार - बार कही गई उक्ति - पुनरुक्ति

48) सोच- समझकर सीमा में खर्च करने वाला - मितव्ययी

49) जिसमें कोई विकार आ गया हो - विकृत

50) जिसका वर्णन न किया जा सके - वर्णनातीत

परिशिष्ट - 5

मुहावरे और उसके अर्थ

1)	अंगूठा दिखाना	-	एन मौके पर मना कर देना, धोका देना, चिढ़ाना
2)	अक्ल पर परदा पड़ना	-	अक्ल ख़राब होना
3)	अपना उल्लू सीधा करना	-	अपना काम निकालना
4)	आँख भौं सिकोड़ना	-	पसन्द न करना
5)	आग बबूला होना	-	अत्यन्त क्रोधित होना
6)	अपने पाँव पर आप कुल्हाड़ी मारना	-	अपनी हानि स्वयं करना
7)	आग में घी डालना	-	उत्तेजित करना
8)	आग लगने पर कुआँ खोदना	-	विपत्ति आने पर प्रतिकार का उपाय सोचना
9)	आटे दाल का भाव मालूम होना	-	यथार्थ से परिचित हो जाना
10)	ईद का चाँद होना	-	बहुत दिनों बाद दिखाई पड़ना
11)	उँगली उठाना	-	किसी की बुराई की ओर संकेत करना
12)	उन्नीस- बीस का अन्तर होना	-	बहुत थोड़ा फर्क होना
13)	कलेजा ठण्डा होना	-	संतोष होना
14)	कान का कच्चा होना	-	झूठी बात का विश्वास कर लेना
15)	गड़े मुर्दे उखाड़ना	-	पुरानी बातों को दुहराना या बार-बार याद दिलाना
16)	गुड़ -गोबर करना	-	बने बनाये काम को बिगाड़ लेना

17) गागर में सागर भरना - थोंडे शब्दों में बहुत बडा और व्यापक अर्थ दे देना

18) गिरगिट की तरह रंग बदलना - बहुत शीघ्र विचार अथवा किसी निश्चय को बदलते जाना

19) घाट - घाट का पानी पीना - अनेक स्थानों का अनुभव प्राप्त कर लेना

20) चुल्लू भर पानी में डूब मरना - अत्यन्त लज्जित होना

21) चोली -दामन का साथ होना - बहुत मेल होना

22) ठगा - सा रह जाना - आश्चर्य चकित रह जाना

23) डींग मारना - अपनी मिथ्या प्रशंसा करना

24) ढिंढोरा पीटना - प्रचार करना या करते रहना

25) तिल का ताड़ करना - छोटी सी बात को बहुत बड़ा बनाना

26) तारे गिनना - बैचेनी से रात काटना

27) तलवे चाटना - खुशामद करना

28) दुम दबा कर भागना - भयभीत होकर भाग जाना

29) दौड़धूप करना - जी-तोड परिश्रम करना

30) धज्जियाँ उडाना - दुर्गति करना

31) फूँक-फूँक कर कदम रखना - सतर्कतापूर्वक काम करना

32) बगलें झाँकना - निरुत्तर हो जाना

33) रंग में भंग डालना - मजा खराब कर देना या अच्छे काम में व्याघात उत्पन्न करना

34) होश ठिकाने लगना - घमण्ड चूर कर देना

35) कफन सिर से बाँधना - बड़े से बडा त्याग करने के लिए उद्यत हो जाना

36) चिराग लेकर ढूँढना - बहुत कोशिश करके तलाशना

37) चौकडी भूल जाना - कोई उपाय न सूझना

38) जबान पर लगाम लगाना - चुप हो जाना

39) बगुला भगत होना - ठग होना

40) हवा में घोडे पर सवार होना - बहुत उतावली में होना

41) राई का पर्वत करना - बढा चढा कर कहना

42) कागजी घोड़े दौड़ाना - कोरा पत्र-व्यवहार करते रहना

43) काफूर हो जाना - एकाएक गायब हो जाना

44) गले का हार होना - अत्यन्त प्रिय होना

45) घास खोदना - व्यर्थ में समय बरबाद करना

46) जान जोखिम में डालना - ऐसा कार्य करना जिसमें जान जाने का डर हो

47) पत्थर की लकीर होना - स्थिर होना

48) पापड बेलना - कई तरह के काम करना, कठिन परिश्रम करना

49) सीधी उँगली से घी न निकलना - सीधेपन या विनम्रता से काम न होना

50) जहर का घूँट पीना - अपमान सह जाना

कहावतें और उनके अर्थ

1) खरी मजदूरी चोखा दाम - अच्छा काम अच्छा दाम

2) कोयले की दलाली में हाथ काले हाना - बुरे काम का परिणाम भी बुरा होता है

3) घर का भेदी लंका ढावे - अपने ही पराये बन कर शत्रुता निभाते हैं, घरेलु शत्रू प्रबल होता है

4) चोर की दाढी में तिनका - अपराधी स्वयं भयभीत हो जाता है

5) उल्टे बांस बरेली को - विरूध्द कार्य करना

6) काला अक्षर भैंस बराबर - निरक्षर होना

7) चिराग तले अंधेरा - उपदेशक या प्रबोधक होकर बुरा कार्य करना

8) मुँह में राम बगल में छुरी - धोखेबाजी करना

9) होनहार बिरवान के होत चीकने पात - भविष्य में उन्नति करने वालो के लक्षण पहले से ही दिखने लगते हैं

10) ठण्ड लोहा गरम लोहे को काटता है - शांति से ही क्रोध पर विजय पाई जा सकती है

11) दाल में काला होना - सन्देह का अनुभव होना

12) दाँतों तले ऊँगली दबाना - आश्चर्यचकित रह जाना

13) गोद में छोरा जगत में ढिंढोरा - पास में रखी हुई वस्तु को दूसरी जगह खोजते फिरना

14) जहाँ न जाये रवि वहाँ जाये कवि - सीमातीत कल्पना करना

15) दूध का जला छाछ को भी फूँक-फूँक कर पीता है - एक बार धोका खाकर व्यक्ति फिर सतर्क हो जाता है

16) न रहेगा बाँस न बजेगी बाँसुरी - कारण को ही नष्ट करना देना

17) कमान से छूटा तीर फिर लौटता नहीं हैं - मुख से निकली बात का कोई उपाय नहीं है

18) चांदी की रातें सोने के दिन - सभी प्रकार का सुख होना

19) झूठ के पाँव नहीं होते - असत्य अधिक देर तक टिक नहीं सकता

20) दूध का दूध पानी का पानी करना - सही और सच्चा न्याय करना

21) रस्सी जली, ऐंठन रह गई - सर्वनाश होने पर भी अभिमान करना

22) अरहर की टट्टी गुजराती ताला - छोटी वस्तु की रक्षा के लिए अधिक व्यय करना

23) अपना रख, पराया चख - अपना बचा कर दूसरों का हड़प करना

24) आप भला तो जग भला - भले आदमी को सब लोग भले ही लगते हैं

25) नाम बड़े और दर्शन खोटे - गुण से अधिक बड़ाई

26) नाच न जाने आंगन टेढ़ा - अपनी कमी साधनों के सिर मंढना

27) मन चंगा तो कठौती में गंगा - पवित्र ही तीर्थ है

28) भागते भूत की लंगोट भली - कुछ न मिलने से जो कुड मिल जाये, अच्छा है

29) नीम हकीम खतर-ए-जान - अल्पज्ञ का भरोसा नहीं करना चाहिए

30) गरजे जो बरसे नहीं - शोर मचाने वाला कुछ करता नहीं है

सोलापुर विश्वविद्यालय, सोलापुर

द्वितीय वर्ष कला (हिंदी)

हिंदी ऐच्छिक (Optional)प्रश्नपत्र क्र.3

हिंदी काव्य, व्याकरण तथा लेखन

तृतीय सत्र (III –Semester)

1-**काव्य सुरभि** – संपादक, सत्यप्रकाश मिश्र

ज्योति प्रकाशन, 'मानसी', 16 / 3 हेस्टिंग्स रोड,

इलाहाबाद– 1

(प्रस्तुत किताब में से कबीर के पद, मलिक मुहम्मद जायसी, सूरदास के पद क्र.4 और 5, मीराबाई का पद क्र.3, तुलसीदास, बिहारीलाल, जयशंकर प्रसाद की 'श्रध्दा का उद्बोधन', सुमित्रानन्दन पंत की 'बापू के प्रति', निराली की 'वीणावादिनी वर दे', महादेवी वर्मा की दोनों कविताएँ, दिनकर की 'आग की भीख', अज्ञेय की 'नदी के द्वीप', शिवमंगल सिंह 'सुमन' की 'मेरा देश जल रहा, कोई नहीं बुझाने वाला', धर्मवीर भारती की 'समापन', नरेश मेहता की 'किरण धेनुएँ', रघुवीर सहाय की 'अधिनायक', केदारनाथ सिंह की 'लोरी', अशोक वाजपेयी की 'रास्ता' और अरुण कमल की 'लौ' आदि कवि और कविताएँ अध्ययन के लिए नहीं हैं।)

2-**व्याकरण** – 1. समास (सोदाहरण सामान्य परिचय)

2- उपसर्ग (सोदाहरण सामान्य परिचय)

3. प्रत्यय (सोदाहरण सामान्य परिचय)

4. वाक्य भेद (रचना के आधार पर)

प्रश्नपत्र का स्वरुप एवं अंक विभाजन

प्रश्न 1.	बहुविकल्पी दस प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रम पर)	10
प्रश्न 2.	लघुत्तरी प्रश्न (व्याकरण पर)(6में से 5)	10
प्रश्न 3.	ससंदर्भ व्याख्या (काव्य सुरभि किताब पर)(3में से 2)	10
प्रश्न 4.	दीर्घोत्तरी प्रश्न (काव्य सुरभि किताब पर)(2में से 1)	10

प्रश्न 5 दीर्घोत्तरी प्रश्न (काव्य सुरभि किताब पर) 10

चतुर्थ सत्र (IV -Semester)

1- **आत्मजयी (खडकाव्य)** – भारतीय ज्ञानपीठ,18, इन्स्टीट्यूशनल एरिया, लोदी रोड, नई दिल्ली

2- **व्याकरण एवं लेखन** – 1. विराम चिह्न प्रयोग
2. प्रूफ शोधन चिह्नों का सामान्य परिचय
3. मशीनी अनुवाद
4. हिंदी वेबसाईडस्

प्रश्नपत्र का स्वरुप एवं अंक विभाजन

प्रश्न 1. बहुविकल्पी दस प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रम पर) 10

प्रश्न 2. लघुत्तरी प्रश्न (व्याकरण एवं लेखन विभाग पर)(6 में से 5) 10

प्रश्न 3. ससंदर्भ व्याख्या (आत्मजयी खंडकाव्य पर)(3 में से 2) 10

प्रश्न 4. दीर्घोत्तरी प्रश्न (आत्मजयी खंडकाव्य पर)(2 में से 1) 10

प्रश्न 5 दीर्घोत्तरी प्रश्न (आत्मजयी खंडकाव्य पर) 10

संदर्भ ग्रंथ सूची :

1- हिंदी व्याकरण – कामताप्रसाद गुरू, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी
2- व्यावहारिक हिंदी व्याकरण तथा रचना – डॉ. हरदेव बाहरी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
3- हिंदी व्याकरण स्वरूप एवं रचना – वासुदेव नंदन प्रसाद
4- आधुनिक हिंदी व्याकरण स्वरूप एवं प्रयोग –डॉ. भारती खुबालकर, साहनी पब्लिकेशन, नई दिल्ली–११००७
5- मानक हिंदी का शुद्धिपरक व्याकरण – डॉ. रमेशचंद्र महरोत्रा, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
6- हिंदी व्याकरण विमर्श – डॉ. ब्रजकिशोर प्रसाद सिंह, साहित्य रत्नालय, कानपुर– 208001
7- उपयोगी हिंदी व्याकरण – डॉ. ज्ञानराज गायकवाड, अमन प्रकाशन, कानपुर
8- शैक्षिक व्याकरण और व्यावहारिक हिंदी – डॉ.कृष्णकुमार गोस्वामी, आलेख प्रकाशन, दिल्ली

सोलापूर विश्वविद्यालय, सोलापूर

बी. ए. भाग - 2

हिंन्दी (आंतर विद्या शाखा) I.D.S

प्रयोजनमूलक हिन्दी

तृतीय सत्र (Semester-III)

अध्यापन : 2014-15, 2015-16, 2016-17

परीक्षाएँ : 2014-15, 2015-16, 2016-17

उद्देश :

1. हिन्दी के व्यावहारिक पक्ष से परिचित कराना।
2. वाणिज्यिक व्यवहार में हिन्दी भाषा को प्रचलित करना।
3. हिन्दी में कार्य करने की रुचि विकसित करना।
4. रोजगारोन्मुख शिक्षा प्रदान करना।
5. राष्ट्रभाषा के प्रात रुचि उत्पन्न करना।
6. कार्यालय और व्यवसाय में हिन्दी प्रयोग का कौशल्य विकसित करना।

अध्यथनार्थ विषय :

(अ) प्रयोजनमूलक भाषा : स्वरुप - विवेचन

1. प्रयोजनमूलक हिन्दी : प्रयोजन
2. प्रयोजनमूलक हिन्दी : नामकरण, परिभाषा।
3. प्रयोजनमूलक हिन्दी : स्वरुपगत विशेषताएँ।

(आ) कार्यालयी हिंदी :स्वरुप और क्षेत्र

1. कार्यालयी हिंदी : तात्पर्य एवं स्वरुपगत विशेषताएँ।
2. कार्यालयी हिंदी : संरचनात्मक विशेषताएँ।
3. कार्यालयी हिंदी : प्रयोग क्षेत्र।
4. कार्यालयीन पत्राचार : नौकरी के लिए आवेदन पत्र, पदाधिकारियों के नाम पत्र, कार्यालय आदेश।

(इ) पत्रकारिता : स्वरुप - विवेचन

1. पत्रकारिता : परिभाषा

2. पत्रकारिता : विभिन्न प्रकार - आर्थिक पत्रकारिता, महिला पत्रकारिता, इंटरनेट पत्रकारिता

(ई) पारिभाषिक शब्दावली : संकल्पना

1. पारिभाषिक शब्दावली : परिभाषा
2. पारिभाषिक शब्दावली : विशेषताएँ
3. पारिभाषिक शब्दावली : निर्माण प्रक्रिया

(उ) अनुवाद :

1. अंग्रेजी से हिंदी

परिभाषिक शब्दावली।

(परिशिष्ट - 1)

(परिभाषिक शब्द - 30 (अंग्रेजी से हिंदी)

1. Accessor : सह- साधन
2. Agency : अभिकरण
3. Associate Member : सह-सदस्य
4. At Randon : यदृच्छ / यादृच्छिक
5. Assigment : समानुदेशन
6. Bale : गाँठ
7. Balance Sheet : तुलना पत्र
8. Barter : वस्तु विनिमय
9. Borrowed Note : टूट- फूट
10. Bull : तेजड़िया
11. Bearish : मंदी रूख
12. Call Money : शीघ्रावधि द्रव्य
13. Capital : पूँजी

14.Ceiling : उच्चतम सीमा

15.Conage : सिक्का ढुलाई

16.Cut : कटौती

17.Divident : लाभांश

18.Duty : शुल्क

19.Export : निर्यात

20.Fair Copy : स्वच्छ प्रति

21.Good Will : सुनाम

22.Indemnity Bond : क्षतिपूर्तिबंध पत्र

23.Loading : लदाई / भराई

24.Markatability : विक्रेयता

25.Quality Product : बढ़िया माल

26.Regluation Time : नियमन अवधि

27.Collection Or Realisation : वसूली या उगाही

28.Forefeiture : जब्ती

29.Treasury : राजकोष

३०. Stenographer : आशुलिपिक

प्रश्नपत्र का स्वरुप एवं अंक विभाजन

प्रश्न 1. (अ) बहुविकल्पी पाँच प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रम पर)	05
(आ) पाँच अंग्रेजी शब्दों के हिंदी पर्यायवाची शब्द(पारिभाषिक शब्दावली परिशिष्ट-1 पर)	05
प्रश्न 2. लघुत्तरी प्रश्न (पूरे पाठय्क्रम पर)(6में से 5)	10
प्रश्न 3. लघुत्तरी प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रम पर)(3 में से 2)	10
प्रश्न 4. दीर्घोत्तरी प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रम पर)(2में से 1)	10

प्रश्न 5 दीर्घोत्तरी प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रम पर) 10

चतुर्थ सत्र (Semester-IV)

अध्यनार्थ विषय

अ) कम्प्यूटर और हिंदी

1) कंम्प्यूटर परिचय
2) कम्प्यूटर संरचना: हार्डवेअर, सॉफ्टवेअर, कार्यप्रणाली
3) इंटरनेट
4) फेसबुक
5) हिंदी ब्लागिंग
6) ई - मेल

(आ) जनसंचार माध्यम : स्वरूप एवं भेद

1) जनसंचार माध्यम : परिभाषा, स्वरूपगत विशेषताएँ.
2) जनसंचार और भाषा
3) फिल्म समीक्षा भाषा
4) संपादकीय भाषा

इ) व्यावहारिक लेखन और वाणिज्य पत्राचार

1. संक्षेपण : परिभाषा एवं स्वरूप
2. पल्लवन : परिभाषा एवं स्वरूपगत विशेषताएँ ।
3. व्यावहारिक - व्यावसायिक पत्र की विशेषताएँ
4. पूछ - ताछ पत्र
5. क्रयादेश पत्र
6. शिकायती पत्र

(ई) वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. परिभाषिक वाक्यांश - 30 (अंग्रेजी से हिंदी)

1)	Acting in good faith	सद्भाव से कार्य करते हुए
2)	Beg to state	निवेदन है
3)	Circulate and then file	संबंधित व्यक्तियों को दिखाकर फाईल कर दीजिए
4)	Early orders are solicited	शीघ्र आदेशों की प्रार्थना है
5)	For sympathetic	सहानुभूतिपूर्वक विचार के लिए

6)	Fix up some date for discussion	विचार विमर्श के लिए कोई तारीख निश्चित करें /तय करें
7)	Hard and fast rule	पक्का नियम
8)	Has no comments to make	को कोई टीका नहीं करनी है
9)	Give him the particulars of the case	उन्हें मामले का पूरा विवरण दें
10)	Correspondence resting with your letter	आपके पत्र के साथ रूका हुआ पत्र व्यवहार
11)	Explain in your letter	आपके पत्र में स्पष्ट किया गया
12)	Figures for the periodunder review have been furnished	आलोच्च अवधि के आँकडे भेजे जा चुके हैं
13)	I agree	मैं सहमत हूँ
14)	Inquiry into the case has started	मामले की जाँच शुरू हो गई है
15)	I fully agree to the office note.	कार्यालय की टिप्पणी से मैं पूर्णत: सहमत हूँ
16)	On an average	औसतन
17)	Needs no Comments	टिप्पणी की आवश्यकता नहीं
18)	Paper for Disposal	निपटाने के लिए कागज
19)	To the point	विषयानुकूल / सुसंगत / प्रासंगिक
20)	Requiste information may please be fiven before the meeting	बैठक के पहले अपेक्षित सूचना दी जाय
21)	Self contained note	स्वत:पूर्ण टिप्पणी
22)	Will have to sever connection from this office	इस कार्यालय से सम्बन्ध विच्छेद करना होगा
23)	Take for granted	मान लेना / मानकर चलना
24)	Vide letter No.	पत्र संख्या देखिए
25)	No action	कोई कार्यवाही /किसी कार्यवाही की आवश्यकता नहीं
26)	Take over	ले लेना / कार्यभार संभालना
27)	Lay down	निर्धारित करना
28)	For good and sutticient reasons	उपयुक्त और पर्याप्त कारणों से
29)	May be Filed	फाईल कर दिया जाए

30)	As a matter of fact	यथार्थत: /वस्तुत:

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक वितरण **अंक**

प्रश्न 1.	(अ) बहुविकल्पी पाँच प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रम पर)	05
	(आ) पाँच अंग्रेजी शब्दों के हिंदी पर्यायवाची शब्द(पारिभाषिक शब्दावली परिशिष्ट-1 पर)	05
प्रश्न. 2	लघुत्तरी प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रमपर) 6 में से 5	10
प्रश्न. 3	लघुत्तरी प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रमपर) 3 में से 2	10
प्रश्न. 4	दिघोत्तरी प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रमपर) 2 में से 1	10
प्रश्न. 5	दिघोत्तरी प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रमपर)	10

संदर्भ - ग्रंथ सूची

1. व्यावहारिक हिंदी : डॉ. माधव सोनटक्के
2. हिंदी के प्रयोजनमूलक भाषा - रुप : डॉ. माधव सोनटक्के. प्रकाशक : छाया पब्लिशिंग हाउस, औरंगाबाद.
3. प्रयोजनमूलक हिंदी : डॉ. लक्ष्मीकांत पाण्डेय, डॉ. प्रमिला पाण्डेय
   प्रकाशक - ज्ञानोदय प्रकाशन, कानपुर
4. प्रयोजनमूलक हिंदी का अध्ययन : डॉ. सुशीला गुप्ता
   जयभारती प्रकाशन, 267 बी, माया प्रेस रोड, इलाहाबाद - 211 003.
5. प्रयोजनमूलक हिंदी अधुनातन आयाम : डॉ. अम्बादास दुशमुख, शैलजा प्रकाशन, 57 पी, कुंज विहार -2 यशोदानगर, कानपुर 208011.
6. प्रयोजनमूलक हिंदी : विनोद गोदरे
7. नये जनसंचार और हिंदी : डॉ. सुधीश पचौरी, अचला शर्मा
8. मीडिया और हिंदी : डॉ. मधु खराटे, डॉ. हणुमंत पाटील, प्रा. राजेंद्र सोनवणे, विद्या प्रकाशन, सी - 449 गुजैनी, कानपुर - 22

सोलापूर विद्यापीठ, सोलापूर

सत्र पध्दतीसाठी प्रशपत्रिका स्वरुप

- **कला व ललित कला विद्याशाखा (भाषा विषय)**
- **बी. ए. भाग - २ / बी. कॉम. भाग - २**

एम. ए. भाग - २

नमुना प्रशपत्रिका स्वरुप व गुणविभागणी

(w.e.f. June २०११)

वेळ : २ तास **मार्कस् : ५०**

प्रश १ ला. बहुपर्यायी प्रश्न (१०)

अ, ब, क, ड.

१.
२.
३.
४.
५.
६.
७.
८.
९.
१०.

प्रश २ रा थोडक्यात उत्तरे लिहा (६ पैकी ५) (१०)

प्रश ३ रा लघुत्तरी प्रश्न (३ पैकी २) (१०)

(मराठी, हिंदी, प्राकृत, उर्दु-पर्शियन, कन्नड या विषयाकरीता)

प्रश ३ रा (इंग्रजी आणि संस्कृत या विषयाकरीता)

अ) थोडक्यात उत्तरे लिहा (३ पैकी २) (६)

ब) थोडक्यात उत्तरे लिहा (३ पैकी २) (४)

प्रश ४ था दीर्घोत्तरी प्रश्न (दोन पैकी एक) (१०)

प्रश ५ वा दीर्घोत्तरी प्रश्न (१०)

1. Structure of the courses :-

A) Each paper of every subject for Arts, Social Sciences & Commerce Faculty shall be of 50 marks as resolved by the respective faculties and Academic Council.

B) For Science Faculty subjects each paper shall be of 50 marks and practical for every subject shall be of 50 Marks as resolved in the faculty and Academic Council.

C) For B. Pharmacy also the paper shall be of 50 marks for University examination. Internal marks will be given in the form of grades.

D) For courses which were in semester pattern will have their original distribution already of marks for each paper.

E) For the faculties of Education, Law, Engineering the course structure shall be as per the resolutions of the respective faculties and Academic Council.

2. Nature of question paper:

A) Nature of questions.

"20% Marks - objectives question" (One mark each and multiple choice questions)

"40% Marks - Short notes / Short answer type questions / Short Mathematical type questions/ Problems. (2 to 5 Marks each)

"40% Marks - Descriptive type questions / Long Mathematical type questions / Problems. (6 to 10 Marks each)

B) Objective type question will be of multiple choice (MCQ) with four alternatives. This answer book will be collected in first 15 minutes for 10 marks and in first 30 minutes for 20 marks. Each objective question will carry one mark each.

C) Questions on any topic may be set in any type of question. All questions should be set in such a way that there should be permutation and combination of questions on all topics from the syllabus. As far as possible it should cover entire syllabus.

D) There will be only five questions in the question paper. All questions will be compulsory. There will be internal option (40%) and not overall option. for questions 2 to 5.

3. Practical Examination for B. Sc. I. will be conducted at the end of second semester.

4. Examination fees for semester Examination will be decided in the Board of Examinations.

The structures of all courses in all Faculties were approved and placed before the Academic Council. After considered deliberations and discussion it was decided not to convene a meeting of the Academic Council for the same matter as there is no deviation from any decision taken by Faculties and Academic Council. Nature of Question Paper approved by Hon. Vice Chancellor on behalf of the Academic Council.